an>

Title: The Minister of State in the Ministry of Road Transport and Highways and Minister of State in the Ministry of Shipping laid a statement regarding Status of implementation of the recommendations contained in the 194th Report of the Standing Committee on Transport, Tourism and Culture on Demands for Grants (2013-14), pertaining to the Ministry of Shipping.

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पोत परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्णपाल गुर्जर): अध्यक्ष महोदया, मैं पोत परिवहन मंत्रालय से संबंधित अनुदानों की मांगों (2013-14) के बारे में परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी स्थायी समिति के 194वे प्रतिवेदन में अतर्विष्ट सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में एक विवरण सदन के पटल पर रखता हूं।

लोक सभा में कार्य प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमावली (ग्यारहवां संस्करण) के नियम 389 और दिनांक 01 सितम्बर, 2004 को लोक सभा बुलेटिन - भाग-II द्वारा जारी निर्देश 73ए के अनुसरण में, मैं परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर विभाग-संबद्ध संसदीय स्थायी समिति की 194वीं रिपोर्ट में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति पर विवरण प्रस्तुत कर रहा हूं।

2. समिति ने 2 मई, 2013 को हुई अपनी बैठक में उपर्युक्त रिपोर्ट पर विचार किया और उसे स्वीकार किया। 194वीं रिपोर्ट दिनांक 03.05.2013 को राज्य सभा में पेश की गई थी और दिनांक 03.05.2013 को इसे लोक सभा के पटल पर रखा गया।

3. मैं 194 वीं रिपोर्ट में निहित उन सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति बताने वाला एक विवरण सदन के पटल पर रख रहा हूं।

HON. SPEAKER: Now, we shall take up item No. 12 – Calling Attention.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, मैं कुछ कहना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : कालिंग अटेंशन के बाद आपकी बात सुनुंगी।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : फिर तो डिस्कशन शुरू हो जायेगा।

माननीय अध्यक्ष : नहीं, डिस्कशन नहीं होता, वह प्रश्न पूछेंगे, उतनी ही बात होगी। मगर श्री वेणुगोपाल जी कालिंग अटेंशन की नोटिस है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, इसकी भी नोटिस है।

माननीय अध्यक्ष : क्या आप अपने कल के पत्र की बात कर रहे हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हां, कल महाराष्ट्र सदन में जो इन्सिडेन्ट हुई थी।

माननीय अध्यक्ष : आपने मुझे पत्र दिया है, अब मैं उस पर देखूंगी, आप मुझे समय दीजिए। मैं उस मामले को देख रही हूं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उसकी इंक्वायरी करके आप क्या एक्शन ले रहे हैं, अगर आपने यह बता दिया तो हम मान जायेंगे।

माननीय अध्यक्ष : मैं अभी कैसे बताऊं, कल शाम को ही तो आपने मुझे पत्र दिया है। वह पत्र मुझे मिला है, मैं आपको बाद में बताऊंगी।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उस पर तुरंत एक्शन लेना है, उसी के लिए हमने वह दिया है। हम आपको रिक्वैस्ट कर रहे हैं कि उसके बारे में कुछ एक्शन लीजिए, नहीं तो ऐसी घटनाएं होती रहेंगी, फिर बाद में कोई डिसिप्लिन नहीं रहेगा।

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं होता। आपने मुझे पत्र दिया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : नहीं आपने कहा कि कल, परसों या कभी भी बतायेंगी। इस मामले को रेज करना और यहीं छोड़ना और उसके ऊपर कोई एक्शन नहीं होना, फिर मैटर रेज करने का क्या फायदा है। The entire country is looking at this incident. हम इसे कोई पोलिटिकल इश्यु नहीं बनाना चाहते हैं।

माननीय अध्यक्ष : मुझे भी मालूम है, आप भी जानते हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : लेकिन कम से कम जो ऐसी गलती करते हैं, उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि कोई पूछने वाले हैं। आप ही हमारी दाता हैं, कस्टोडियन हैं। अगर आप एक्शन नहीं लेंगी तो फिर कौन लेगा। It is a serious matter.

माननीय अध्यक्ष : आपने पत्र दिया है। आप एक मिनट मेरी बात सुनिये। आपने मुझे पत्र दिया है, मैं उस पर कुछ पूछूंगी, फिर बोल पाऊंगी। कल आपने पत्र दिया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप कल बोल दीजिए, हम वेट करेंगे।

माननीय अध्यक्ष : अभी कालिंग अटेंशन हैं, उसके बीच में आप कैसे बोल रहे हैं। अभी आप रुकिये।